लगाव: बाबा का दरबार,
गुरू मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लाव:,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरू मुरारी का चैला।।

सुरजमल भक्त स निराला,
सब भक्तां का देखया भालया,
पुज: जिनते पवन कुमार,
गुरू मुरारी का चैला।।

जिसकी सुरती बजरंगी में,
रहता ना वो कदे तंगी में,
पा गया हनुमान का प्यार,
गुरू मुरारी का चैला।।

कप्तान शर्मा देखया नजारा,
बह कंजावला अम्रत धारा,
गाव: कौशिक जी तो मल्हार,
गुरू मुरारी का चैला।।

लगाव: बाबा का दरबार,

गुरू मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लाव:,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरू मुरारी का चैला।।

भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)
वीडियो उपलब्ध नहीं।

Source:
https://www.bharattemples.com/lagave-baba-ka-darbar-guru-murari-ka-chela/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw